



M.P. Bhoj Open University Bhopal (M.P.)

परिशिष्ट-02

"अनुबंध पत्र"

मध्यप्रदेश भोज (मुक्त) विश्वविद्यालय अधिनियम 1991 की धारा - 5 (VIII) (ix) के प्रावधान के अन्तर्गत परिशिष्ट 11 के परिपत्रक में यह अनुबंध पर मध्यप्रदेश भोज (मुक्त) विश्वविद्यालय, कोलार रोड, भोपाल द्वारा अपने क्षेत्रीय केन्द्र शिका के अन्तर्गत गरीब अल्पवय केन्द्र प्रारम्भ करने के लिये दोनों पक्षों के मध्य किया जा रहा है।

पहला पक्ष: मध्यप्रदेश भोज (मुक्त) विश्वविद्यालय, भोपाल

द्वितीय पक्ष: शासकीय (परिशिष्ट 01 के अनुसार)/शासकीय महाविद्यालय (पंचम गण्डल द्वारा अनुमोदित होने के उपरान्त)

अनुबंध की शर्तें निम्नानुसार हैं:-

1. संस्था के प्राचार्य अल्पवय केन्द्र के केन्द्राध्यक्ष के रूप में कार्य करेंगे। प्राचार्य के त्यागपत्र देने या उनके स्थान पर अन्य व्यक्ति पदस्थ हो जाना पर नये प्राचार्य अल्पवय केन्द्र के केन्द्राध्यक्ष के रूप में कार्य करेंगे। पूर्ण प्राचार्य को अल्पवय केन्द्र स्थापित करने की प्राप्ति तथा केन्द्राध्यक्ष के रूप में मान्य करने हेतु मध्यप्रदेश भोज (मुक्त) विश्वविद्यालय का निर्णय अंतिम होगा। केन्द्राध्यक्ष अपने स्तर पर अपने सहयोग के लिये एक समन्वयक की नियुक्ति कर सकता है। जो महाविद्यालय में पदस्थ कोई व्यक्ति प्राध्यापक स्तर का हो।

2. अल्पवय केन्द्र के संचालन के लिये, अल्पवय केन्द्र, मध्यप्रदेश भोज (मुक्त) विश्वविद्यालय की ओर निर्मासिद्धित उन सभी कार्य को संचालित करेगा जो मध्यप्रदेश भोज (मुक्त) विश्वविद्यालय द्वारा समय-समय पर उपलब्ध एवं परिस्थिति वश संसुचित किये जायेंगे।

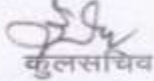
(1) विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित प्रवेश परीक्षा कर प्रवेश पत्रों की प्रथम एवं द्वितीय प्रति सम्पूर्ण अभिलेखों सहित क्रमशः क्षेत्रीय केन्द्र और मध्यप्रदेश भोज (मुक्त) विश्वविद्यालय के मुख्यालय में निर्धारित समय सीमा में उपलब्ध कराया सुनिश्चित करते हुये प्रवेश पत्रों की तृतीय प्रति को अपने अल्पवय केन्द्र में सम्पूर्ण अभिलेख सहित सुरक्षित रखेंगे।

(2) मध्यप्रदेश भोज (मुक्त) विश्वविद्यालय से प्राप्त अल्पवय नामची को विद्यार्थियों में वितरित कर यह सुनिश्चित करना की सभी पविष्ट विद्यार्थियों को अल्पवय नामची उपलब्ध हो सके। यदि नहीं हुई हो तो शीघ्र प्राप्त कराने के लिये प्रयास करने का दायित्व अल्पवय केन्द्र का होगा, ताकि विद्यार्थियों को अल्पवय में किसी प्रकार का अग्रोध न हो।

(3) वार्षिक मत्र में प्रत्येक विषय के 12 सिद्धान्तिक कालखण्डों की तथा जिन विषयों में प्रायोगिक कार्य हो उनकी भी 12 कालखण्डों की प्रायोगिक सम्पर्क कक्षाएं विश्वविद्यालय के अध्यादेश 60/61 के अनुसार लगाने का दायित्व अल्पवय केन्द्र का होगा। साथ ही इसकी सृजना विश्वविद्यालय सहित संघटित क्षेत्रीय केन्द्र व विद्यार्थियों को उपलब्ध कराया सुनिश्चित करेंगे।

(4) प्रवेशित विद्यार्थियों से संबंधित उत्तर पुस्तिकाएँ निर्धारित समय सीमा में जमा करा कर क्षेत्रीय केन्द्र को भिजवाने का दायित्व भी अल्पवय केन्द्र का होगा।

(5) प्रवेशित विद्यार्थियों के लिये सिद्धान्तिक एवं प्रायोगिक सम्पर्क कक्षाओं तथा सहाय वरिष्ठ के दौरान पूर्ण स्पष्ट, व्याख्यान, जल, शौचालय (छात्र-छात्राये का अलग अलग) एवं अन्य मूलभूत सुविधाएँ जो अल्पवय केन्द्र के लिये आवश्यक होंतो उपलब्ध कराने का दायित्व भी अल्पवय केन्द्र का होगा।


कुलसचिव

म.प्र. भोज (मुक्त) विश्वविद्यालय
भोपाल


- 13/08/19
Govt. College Jaithari
Distt. Anuppur (M.P.)



M.P. Bhoj Open University Bhopal (M.P.)

(6) अध्ययन केन्द्र के केन्द्राध्यक्ष एवं मुख्य स्टाफ सदस्य जैसे सहायक, शिक्षकों, एक लिपिक आदि सभी को विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित मासिक वेतन का भुगतान विश्वविद्यालय के नियमानुसार किया जायेगा।

(7) अध्ययन केन्द्र विद्यार्थियों से विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित शुल्क के अतिरिक्त अन्य कोई भी राशि प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष किसी भी रूप में प्राप्त नहीं करेगा।

(8) अध्ययन केन्द्र के लिए अधिक अधीनस्थता पन्नीघर, कम्प्यूटर इत्यादि में जो व्यय होगा उसकी प्रतिपूर्ति प्रथम पक्ष: विश्वविद्यालय द्वारा की जायेगी।

(9) महाविद्यालय में कुल पंजीकृत विद्यार्थियों में प्राप्त शुल्क का वीरगा के आधार पर 80 प्रतिशत विश्वविद्यालय में तथा 20 प्रतिशत महाविद्यालय की जनभागीदार समिति के अकाउण्ट में स्थानांतरित की जायेगी इस राशि में सम्पूर्ण कक्षाएँ तथा परीक्षा संचालन शामिल है। जिसका उपयोगिता प्रमाण पर अध्ययन केन्द्र द्वारा विश्वविद्यालय को प्रस्तुत करना होगा।

(10) जिन महाविद्यालयों में मध्यप्रदेशीय (मुक्त) विश्वविद्यालय के अध्ययन केन्द्र स्थानांतरित/स्थापित किये जा रहे हैं उनकी सूची परिशिष्ट 01 में संलग्न है।

(11) किन्तु यह भी कि किसी महाविद्यालय केन्द्र में विद्यार्थियों का प्रवेश वगैरह संख्या में होता है। तो ऐसी स्थिति में सम्पूर्ण कक्षाओं एवं परीक्षा संचालन के व्यय की राशि तथा शुल्क अंशदान की अन्तर राशि की प्रतिपूर्ति विश्वविद्यालय के द्वारा की जायेगी।

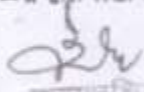
(12) अध्ययन केन्द्र के अस्तित्व एवं निरंतरता को बनाये रखने के लिये विद्यार्थियों के लिये उपरि अध्ययन कक्षों, पयोगशालाओं एवं अन्य सुविधाओं को प्रदान करने का दायित्व अध्ययन केन्द्र का है।

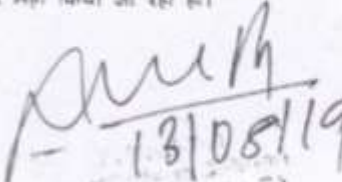
(13) मध्यप्रदेश मोज (मुक्त) विश्वविद्यालय द्वारा जो मुक्त शिक्षा के उद्देश्य एवं लक्ष्य की पूर्ति हेतु समय-समय पर आर्थिक आदेश विश्वविद्यालय निर्देश विश्वविद्यालय शर्त जारी किये जायेंगे। उनका पालन करना अध्ययन केन्द्र का दायित्व होगा।

(14) मध्यप्रदेशीय (मुक्त) विश्वविद्यालय द्वारा गठित दल को अध्ययन केन्द्र द्वारा संचालित समस्त गतिविधियों सहित अभिलेखों एवं परीक्षा आदि के निरीक्षण में सहयोग करना अध्ययन केन्द्र का दायित्व होगा।

निम्नलिखित परिस्थितियों में विश्वविद्यालय को अध्ययन केन्द्र की मान्यता निरस्त करने का अधिकार रहेगा:-

1. अध्ययन केन्द्र मान्यता प्राप्ति के अनुरूप संचालित नहीं किया जा रहा हो।
2. अध्ययन केन्द्र में किसी भी प्रकार की अनियमितता या अराजक गतिविधियों में लिप्त होने पर।
3. अध्ययन केन्द्र द्वारा प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से उपरि विद्यार्थियों से विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित शुल्क के अतिरिक्त कोई भी राशि ली जा रही हो जो अनुबंध की शर्तों में विहित प्रावधानों के विपरित हो।
4. विश्वविद्यालय के नियमानुसार सम्पूर्ण कक्षाओं का संचालन नहीं किया गया हो मान्यता निरस्त।
5. सही ढंग तथा संश्लेष परीक्षाओं का संचालन सुचारु रूप से नहीं किया जा रहा हो।
6. विश्वविद्यालय द्वारा पंजीकृत विद्यार्थियों के लिये प्रदत्त अध्ययन सामग्री का नियमानुसार विद्यार्थियों में वितरण नहीं किया जा रहा हो।
7. विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित प्रवेश के नियमों का उल्लंघन किया जा रहा हो।
8. अध्ययन केन्द्र द्वारा सेवा का संचालन विश्वविद्यालय नियमानुसार नहीं किया जा रहा हो।


कुलसचिव
म.प्र. भोज (मुक्त) विश्वविद्यालय
भोपाल


13/08/19



M.P. Bhoj Open University Bhopal (M.P.)

9. ऐसी निजी संस्था जो समिति द्वारा संघालित है द्वारा अपनी मूल समिति को बिना विश्वविद्यालय की अनुमति के अन्य समिति में विलय कर देती है।
 10. बिना किसी पूर्व सूचना एवं अनुमति के अध्ययन केन्द्र का स्थान परिवर्तन किये जाने पर। उपरोक्त कारणों के अतिरिक्त भी विश्वविद्यालय यदि किसी बिन्दु पर असंतुष्ट है तो मान्यता रद्द कर सकता है किन्तु ऐसे किये जाने के पूर्व संबंधित संस्था को पूर्ण सुनवाई का अवसर प्रदान किया जायेगा।
 3. इस अनुबंध की तीन मूल प्रतियों हस्ताक्षर की जा रही हैं। जिसकी एक प्रति कुलसचिव, मध्य प्रदेश भोज (मुक्त) विश्वविद्यालय, कोलार रोड, भोपाल को दूसरी प्रति द्वितीय पक्षधार... शास्त्री संघ विश्वविद्यालय जैथरी को एवं तृतीय प्रति क्षेत्रीय निदेशक, क्षेत्रीय केन्द्र... के अधिपत्य में संधारित की जा रही है जो कि समयानुसार कार्यवाही में उपयोग की जा सकेगी।
 4. इस अनुबंध के प्रत्येक पृष्ठों पर दोनों पक्षधारी द्वारा हस्ताक्षर किये जा रहे हैं एवं किसी पृष्ठ में कोई काट-छाट नहीं है।
 5. अध्ययन केन्द्रों के केन्द्राध्यक्ष विश्वविद्यालय उपकेन्द्राध्यक्ष व अन्य नियुक्तियों को दिये जाने वाले मानदंड एवं अन्य संबंधित विषयों के निर्णय हेतु परीनियम 11 में दर्शायी गयी समिति अधिपत्य होगी।
- यह अनुबंध आज दिनांक 13/08/2019 को दोनों पक्षों की सहमति में पूर्ण स्वीकृति में एवं गवाहों की उपस्थिति में किया जा रहा है एवं उक्त शर्तों को दोनों पक्षों द्वारा मान्य किया जा रहा है।

कुलसचिव
 मध्य प्रदेश भोज (मुक्त) विश्वविद्यालय,
 भोपाल
 कुलसचिव
 म.प्र. भोज (मुक्त) विश्वविद्यालय
 गवाह
 भोपाल

[Signature]
 Principal 13/08/2019
 Govt. College Jaithari
 Dist. Anuppur (M.P.)

1. डा. शैले-5 कौशिक *[Signature]*
 2.....

1. डा. वी.के. सोनवानी *[Signature]*
 2. Ashok Kumar Rathore. *[Signature]*
 (Govt. College Jaithari) 13/08/19